ये अव्यक्त इशारे

अब लगन की अग्नि को प्रज्वलित कर योग को ज्वाला रूप बनाओ

23-09-2025

लास्ट सो फास्ट पुरुषार्थ ज्वाला रूप का ही रहा हुआ है। पाण्डवों के कारण यादव रुके हुए हैं। पाण्डवों की श्रेष्ठ शान, रुहानी शान की स्थिति यादवों के परेशानी वाली परिस्थिति को समाप्त करेगी। तो अपनी शान से परेशान आत्माओं को शान्ति और चैन का वरदान दो। ज्वाला स्वरूप अर्थात् लाइट हाउस और माइट हाउस स्थिति को समझते हुए इसी पुरुषार्थ में रहो।

Now ignite the fire of love and make your yoga volcanic.

The last so fast effort has remained in the volcanic form. Because of the Pandavas, the Yadavas are stuck. The stage of elevated, spiritual honour of the Pandavas will finish the adverse, distressed situations of the Yadavas. With your honour and self-respect, give distressed souls the blessing of peace and comfort. To be the volcanic form means to become the lighthouse and might-house stage and to continue with making that effort.